



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 258]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल, 3, 2017/चैत्र 13, 1939

No. 258]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 3, 2017/CHAITRA 13, 1939

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2017

आय-कर

**सा.का.नि. 325(अ).**—केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ पठित धारा 80अजकक की उपधारा (2) के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (छठा संशोधन) नियम, 2017 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2017 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) के विद्यमान नियम 19कख के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"19कख. धारा 80अजकक के अधीन कटौती का दावा करने के लिए रिपोर्ट का प्ररूप—लेखापाल की रिपोर्ट, जो निर्धारिती द्वारा धारा 80अजकक की उपधारा (2) के खंड (ग) के अधीन आय-कर की विवरणी के साथ दी जानी अपेक्षित है, प्ररूप 10घक में होगी।"

3. मूल नियमों के परिशिष्ट 2 में, प्ररूप 10घक के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :—

"प्ररूप 10घक

(नियम 19कख देखिए)

**आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80अजकक के अधीन रिपोर्ट**

1. मैंने/हमने 31 मार्च, ..... को समाप्त हुए वर्ष के दौरान ..... के कारबार में लगे निर्धारिती ..... (स्थायी खाता संख्यांक सहित निर्धारिती का नाम और पता) के लेखाओं और अभिलेखों की परीक्षा कर ली है।

2. मैं/हम\* यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं\* कि निर्धारण वर्ष ..... की बाबत आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80अजकक की उपधारा (1) के अधीन निर्धारिती द्वारा दावा की जाने वाली कटौती ..... रुपए है, जिसका अवधारण पूर्ववर्ती वर्ष में निर्धारिती द्वारा उक्त कारबार की दशा में उपगत अतिरिक्त कर्मचारी लागत के आधार पर किया गया है। उक्त रकम इस प्ररूप के उपाबंध में दिए गए ब्यौरों के आधार पर निकाली गई है।

स्थान : .....

तारीख : .....

.....

(लेखापाल के हस्ताक्षर और मुहर/मुद्रा)

हस्ताक्षरकर्ता का नाम .....

पूरा पता .....

.....

सदस्यता सं. ....

#### टिप्पण :

1. \* जो लागू न हो, उसे काट दीजिए।
2. यह रिपोर्ट चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट अधिनियम, 1949 (1949 का 32) के अर्थान्तर्गत ऐसे चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट द्वारा दी जानी चाहिए, जिसके पास उस अधिनियम की धारा 6(1) के अधीन विधिमान्य व्यवसाय प्रमाणपत्र है और जो धारा 288 की उपधारा (2) के नीचे के स्पष्टीकरण के खंड (क) या खंड (ख) में निर्दिष्ट कोई व्यक्ति नहीं है।
3. यदि इस रिपोर्ट में उल्लिखित बात का उत्तर नकारात्मक है या कोई शर्त लगाकर दिया गया है तो उसके लिए कारण अवश्य दिए जाने चाहिए।

#### उपाबंध

(प्रारूप सं. 10घक का पैरा 2 देखिए)

1. निर्धारिती का नाम :
2. निर्धारिती का पता :
3. निर्धारिती का स्थायी खाता संख्यांक :
4. निर्धारण वर्ष
5. अतिरिक्त कर्मचारी उपगत लागत
  - (I) किसी विद्यमान कारबार की दशा में :
    - (क) पूर्ववर्ती वर्ष के अंतिम दिन को कर्मचारी की संख्या
    - (ख) पूर्व वर्ष के अंतिम दिन को कर्मचारी की संख्या
    - (ग) पूर्ववर्ती वर्ष के अंतिम दिन को नियोजित कर्मचारियों की कुल संख्या से कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि (क) - (ख)
    - (घ) वर्ष के दौरान नियोजित अतिरिक्त कर्मचारी\* की संख्या
    - (ङ) कटौती के लिए हकदार अतिरिक्त कर्मचारी की संख्या, जो (ग) में यथा संगणित कर्मचारी की संख्या में हुई वृद्धि से अधिक नहीं होगी
    - (च) (ङ) में यथा संगणित कटौती के लिए हकदार अतिरिक्त कर्मचारी को संदत्त या संदेय उपलब्धियां \*\* #
  - (II) किसी नए कारबार की दशा में, कारबार के प्रथम वर्ष के दौरान नियोजित अतिरिक्त कर्मचारियों को संदत्त या संदेय उपलब्धियां
6. (5)(I)(च) या (5)(II) में यथासंगणित रकम का 30%
7. टिप्पणियां :

#### टिप्पण :

1. \* "अतिरिक्त कर्मचारी" से ऐसा कर्मचारी अभिप्रेत है, जिसे पूर्व वर्ष के दौरान नियोजित किया गया है और जिसके नियोजन से नियोजक द्वारा पूर्ववर्ती वर्ष के अंतिम दिन को नियोजित कर्मचारियों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है, किंतु इसमें निम्नलिखित सम्मिलित नहीं हैं :--

(क) ऐसा कर्मचारी, जिसकी कुल उपलब्धियां पच्चीस हजार रुपए प्रति मास से अधिक है ; या

(ख) ऐसा कर्मचारी, जिसके लिए संपूर्ण अभिदाय का, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंधों के अनुसार अधिसूचित कर्मचारी पेंशन स्कीम के अधीन सरकार द्वारा संदाय किया जाता है ; या

(ग) पूर्व वर्ष के दौरान दो सौ चालीस दिन से कम की अवधि के लिए (परिधान के विनिर्माण के कारबार में लगे किसी निर्धारिती की दशा में एक सौ पचास दिन) नियोजित कोई कर्मचारी ; या

(घ) ऐसा कर्मचारी, जो मान्यताप्राप्त भविष्य निधि में सहभागी नहीं है ;

2. \*\* "उपलब्धियां" से किसी कर्मचारी को उसके नियोजन के बदले में उसे संदत्त या संदेय कोई धनराशि, चाहे जिस नाम से ज्ञात हो, अभिप्रेत है, किंतु इसके अंतर्गत निम्नलिखित सम्मिलित नहीं हैं :--

(क) नियोजक द्वारा तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन कर्मचारी के फायदे के लिए किसी पेंशन निधि या भविष्य निधि या किसी अन्य निधि में संदत्त या संदेय कोई अभिदाय ; और

(ख) किसी कर्मचारी को, उसकी सेवा के पर्यवसान या अधिवर्षिता या स्वैच्छया निवृत्ति के समय संदत्त या संदेय उपदान, पृथक्करण वेतन, अवकाश नकदीकरण, स्वैच्छया निवृत्ति संबंधी फायदे, पेंशन का संराशीकरण और वैसा ही कोई एकमुश्त संदाय ।

3. # यदि उपलब्धियों का संदाय पाने वाले के खाते में देय चैक या पाने वाले के खाते में बैंक ड्राफ्ट द्वारा या किसी बैंक के माध्यम से किसी इलैक्ट्रानिक समाशोधन प्रणाली द्वारा से भिन्न किया जाता है तो रकम शून्य होगी ।"

[अधिसूचना सं. 26/2017 /फाइल सं. 370142/3/3017-टी.पी.एल.]

अभिषेक गौतम, अवर सचिव (कर नीति और विधायन)

**टिप्पण :** मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना संख्यांक का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संशोधन अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 318(अ) तारीख 31.3.2017 द्वारा किया गया ।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2017

### INCOME-TAX

**G.S.R. 325(E).** — In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (2) of section 80JJAA read with section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax ( 6th Amendment), Rules, 2017.  
(2) They shall come into force from the 1st day of April, 2017.
2. In the Income-tax Rules, 1962 (hereafter referred to as the Principal rules), for the existing rule 19AB, the following rule shall be substituted, namely:-  

**“19AB. Form of report for claiming deduction under section 80JJAA.** Report of an accountant which is required to be furnished by the assessee along with the return of income under clause (c) of sub-section (2) of section 80JJAA shall be in Form No. 10DA.”
3. In the principal rules, in Appendix II, for the ‘Form No. 10DA’, the following Form shall be substituted, namely:-

### “ FORM NO. 10DA

[See rule 19AB]

Report under section 80JJAA of the Income-tax Act, 1961

1. I/ We\* have examined the accounts and records of \_\_\_\_\_ (Name and address of the assessee with permanent account number) engaged in the business of

of \_\_\_\_\_ during the year ended on 31st day of March \_\_\_\_\_.

2. I/We\* certify that the deduction to be claimed by the assessee under sub-section (1) of section 80JJAA of Income-tax Act, 1961, in respect of the assessment year \_\_\_\_\_ is Rs. \_\_\_\_\_ determined on the basis of additional employee cost incurred in the case of said business by the assessee in the previous year. The said amount has been worked out on the basis of details given in annexure to this form.

Place: \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_

(Signature and Stamp/Seal of the Accountant)

Name of the Signatory \_\_\_\_\_

Full Address \_\_\_\_\_

Membership No \_\_\_\_\_.

#### Notes:

1. \*Delete whichever is not applicable.
2. This report is to be given by a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 who holds a valid certificate of practice under section 6(1) of that Act and is not a person referred to in clause (a) or clause (b) of the Explanation below sub-section (2) of section 288.
3. Where any of the matter stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

#### ANNEXURE

(See paragraph 2 of Form No. 10DA)

1.	Name of the assessee	
2.	Address of the assessee	
3.	Permanent Account Number of the assessee	
4.	Assessment Year	
5.	Additional employee cost incurred	
	(I) In case of an existing business:	
	(a) Number of employee as on the last day of the preceding year.	
	(b) Number of employee as on the last date of the previous year.	
	(c) Increase in the number of employee from the total number of employee employed as on the last day of the preceding year (a)-(b).	
	(d) Number of additional employee* employed during the year.	
	(e) Number of additional employee entitled for deduction i.e. not exceeding the number of increase in number of employee as computed in (c).	
	(f) Emoluments** paid or payable to additional employee entitled for deduction as computed in (e) #.	
	(II) In case of a new business, emoluments paid or payable to additional employees employed during the first year of business.	
6.	30% of the amount computed in 5(I)(f) or 5(II).	
7.	Remarks.	

#### Notes:

1.\* “additional employee” means an employee who has been employed during the previous year and whose employment has the effect of increasing the total number of employees employed by the employer as on the last day of the preceding year, but does not include,—

- (a) an employee whose total emoluments are more than twenty-five thousand rupees per month; or

(b) an employee for whom the entire contribution is paid by the Government under the Employees' Pension Scheme notified in accordance with the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952); or

(c) an employee employed for a period of less than two hundred and forty days (one hundred and fifty days in case of an assessee engaged in the business of manufacturing of apparel) during the previous year; or

(d) an employee who does not participate in the recognised provident fund;

2.\*\* "emoluments" means any sum paid or payable to an employee in lieu of his employment by whatever name called, but does not include—

- (a) any contribution paid or payable by the employer to any pension fund or provident fund or any other fund for the benefit of the employee under any law for the time being in force; and
- (b) any lump-sum payment paid or payable to an employee at the time of termination of his service or superannuation or voluntary retirement, such as gratuity, severance pay, leave encashment, voluntary retrenchment benefits, commutation of pension and the like".

3. # the amount shall be nil if the emoluments are paid otherwise than by an account payee cheque or account payee bank draft or by way of a electronic clearing system through a bank account."

[Notification No. 26/2017 /F. No. 370142/3/2017-TPL]

ABHISHEK GAUTAM, Under Secy. (Tax Policy and Legislation)

**Note:** The principal rules were published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide notification number S.O. 969(E), dated the, 26th March, 1962 and were last amended vide notification number G.S.R.No.318(E) dated the 31st March, 2017.